नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(मिनिरत्न कंपनी)
(कोल इण्डिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी)

Northern Coalfields Limited
(AMiniratna Company)
(A subsidiary of Coal India Limited)

जनसंपर्क विभाग /Public Relations Department

CIN- U10102MP1985GOI003160
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company
पोस्ट- सिंगरौली कोलियरी,जिला- सिंगरौली, म.प्र., पिन 486889/ Post- Singrauli Colliery, Distt- Singrauli, M.P. PIN-486889
Phone: 07805- 266808, (FAX) 266640 email: pro.ncl@coalindia.inwebsite : www.nclcil.in

पत्रक0 एनसीएल / ज0स0वि0 / प्रेसवि0 / 2017–18 / 310 दिनांक – 01 / 10 / 2017

प्रेस विज्ञप्ति

एनसीएल के सीएमडी श्री तापस कुमार नाग सेवानिवृत्त

कंपनी को नए शिखर पर पहुंचाने में दिया अभूतपूर्व योगदान

एनसीएल परिवार ने दी भावभीनी विदाई

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री तापस कुमार नाग शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। श्री नाग ने एनसीएल को पूरे तीन साल सेवाएं दीं। शनिवार को एनसीएल मुख्यालय में श्री नाग के अभिनंदन हेतु सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें एनसीएल के निदेशक (वित्त) श्री पी॰ एस॰ आर॰ के॰ शास्त्री एवं निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री जे॰ एल॰ सिंह सहित कंपनी के सभी क्षेत्रों/इकाइयों के महाप्रबंधक, मुख्यालय के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष व बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नाग ने कहा कि कोल इंडिया कि अग्रणी अनुषंगी कंपनी एनसीएल का नेतृत्व कर वे गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और जीवन का यह काल उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि कार्यकाल के दौरान कार्य निष्पादन में मिले पूर्ण सहयोग के लिए वे जीवनपर्यन्त पूरे एनसीएल परिवार के ऋणी रहेंगे। उन्होंने कंपनी के सभी

अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बदलते समय के अनुसार नित नए हुनर सीखकर स्वयं और कंपनी को और भी नई ऊचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में एनसीएल परिवार ने श्री नाग एवं उनके परिवार के स्वस्थ्य, सुखी एवं समृद्ध आगामी जीवन की कामना कर उन्हें भविष्य के लिए शुभकमनाएं दीं तथा एनसीएल को अनुकरणीय एवं अविस्मरणीय नेतृत्व प्रदान करने हेतु उनका आभार जताया।

श्री नाग ने ठीक तीन साल पहले 30 सितंबर, 2014 को एनसीएल में बतौर सीएमडी अपना कार्यभार संभाला था और तब से लेकर अब तक उनके नेतृत्व में कंपनी कामयाबी के कई नए शिखर छू चुकी है। श्री नाग के कार्यकाल के दौरान कंपनी ने हर वर्ष कोयला उत्पादन एवं प्रेषण के नए कीर्तिमान स्थापित किए। मिसाल के तौर पर, श्री नाग के कार्यकाल के पहले वित्त वर्ष 2014-15 में कंपनी ने रिकॉर्ड 72.48 मिलियन टन कोयला उत्पादन एवं 73.69 मिलियन टन कोयला प्रेषण किया। इसी प्रकार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2015-16 में 80.22 मिलियन टन कोयले का उत्पादन और 78.51 मिलियन टन कोयले का प्रेषण कर एक बार फिर कोयला उत्पादन एवं प्रेषण के नए कीर्तिमान बनाए। इन कीर्तिमानों को नई ऊंचाई देते हुए एनसीएल ने वर्ष 2016-17 में 84.10 मिलियन टन कोयले के उत्पादन एवं 83.46 मिलियन टन कोयले के डिस्पैच के साथ लक्ष्य प्राप्ति के नए शिखर छुए।

इन सभी उपलब्धियों को हासिल करने में श्री नाग के कार्यकाल के दौरान कई विशिष्ट कार्य किए गए, जिनमें भारी मशीनों (एचईएमएम) एवं उनके स्पेयर पार्ट्स की कमी को दूर किया जाना और कंपनी में पहली बार सरफेस माइनर का आगमन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। साथ ही, श्री नाग के कार्यकाल के दौरान एनसीएल में सुरक्षा हेतु पहली बार केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ़) का आगमन, कृष्णशिला एवं अमलोरी क्षेत्रों के नए महाप्रबंधक भवनों का निर्माण, निगाही की सीएचपी का विस्तार, खड़िया क्षेत्र में स्टेट ऑफ आर्ट वर्कशॉप व स्टोर का निर्माण, सतर्कता क्षेत्र में पारदर्शिता हेतु सूचना तकनीक आधारित कई नई पद्धतियों को अपनाना जैसे कई विशिष्ट कार्य किए गए।

ओपनकास्ट एवं अंडरग्राउंड कोल माइनिंग के क्षेत्र में 37 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले श्री नाग देश के सबसे प्रतिष्ठित एवं सबसे बड़े माइनिंग इंस्टिट्यूट इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ

टेक्नॉलॉजी इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (आईएसएम), धनबाद के माइनिंग इंजीनियरिंग ग्रैजुएट हैं। उन्होंने वर्ष 1979 में यहां से अपनी इंजीनियरिंग डिग्री ली।

श्री नाग ने वर्ष 1979 में ही कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में अपनी सेवाएं शुरू कीं और उनकी पदस्थापना सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) में हुई। सीसीएल में उन्होंने लगभग 22 वर्षों तक विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दीं और उनका तबादला वर्ष 2002 में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में हुआ। सीसीएल के अपने कार्यकाल में उन्होंने कंपनी की सबसे बड़ी और प्रतिष्ठित पीपरवाड़ परियोजना के यूनिट हेड के रूप में कार्य किया। एसईसीएल में भी उन्होंने गेबरा और दीपिका जैसी बड़ी परियोजनाओं का नेतत्व किया।

एनसीएल में सीएमडी का कार्यभार संभालने से पहले श्री नाग सीसीएल में निदेशक (तकनीकी/संचालन) के पद पर कार्यरत थे। सीसीएल में बतौर निदेशक उनके कार्यकाल में कंपनी ने कोयला उत्पादन, उत्पादकता और प्रेषण (डिस्पैच) में नई ऊंचाइयां हासिल कीं।

श्री नाग के अद्भुत प्रबंधकीय कौशल एवं नेतृत्व क्षमता की सराहना उन्हें मिले कई ख्यातिलब्ध सम्मानों के जरिये हो चुकी है। बतौर एनसीएल सीएमडी उन्हें भारत के राष्ट्रपति से राष्ट्रीय खान सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। वर्ष 2016 में इंडियन स्कूल ऑफ माइंस अल्लमनी (Alumni) असोसिएशन, धनबाद की ओर से प्रतिष्ठित 'भास्कर भट्टाचार्जी मेमोरियल डिस्टिंग्विश्ड अल्लमनस (Alumnus) अवॉर्ड 2016' से नवाजा गया। जानीमानी आर्थिक संस्था इंस्टिट्यूट ऑफ इकनॉमिक स्टडीज उन्हें 'उद्योग रत्न अवॉर्ड' से नवाज चुकी है। राजभाषा उन्नयन को नई दिशा देने हेतु वर्ष 2015 में उन्हें 'राजभाषा श्री सम्मान' तथा वर्ष 2016 में आयोजित एशिया पसिफिक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एचआरएम) कांग्रेस में उन्हें 'सीईओ विथ एचआर ओरिएंटेशन अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा चुका है। ओबी आउटसोर्सिंग कॉन्ट्रैक्ट्स में रिवर्स ऑक्शनिंग सिस्टम लागू कराने के लिए उन्हें 'ई-इंडिया अवॉर्ड 2013' से नवाजा जा चुका है। इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स झारखंड स्टेट रांची चैप्टर द्वारा उन्हें वर्ष 2012 में 'इमिनेंट इंजीनियर्स अवॉर्ड' दिया गया। वर्ल्ड अकैडमी ऑफ प्रोडक्टिविटी साइंस उन्हें फेलोशिप के लिए सेलेक्ट कर चुकी है।

अपनी अकादमिक क्षमताओं को हमेशा तराशने में यकीन रखने वाले श्री नाग ने ऑस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स स्थित वोलोन्गोंग यूनिवर्सिटी से वर्ष 1992 में "लॉन्ग वॉल माइनिंग एंड रूफ

वोल्टिंग टेक्नॉलजी" विषय पर साढ़े तीन महीने का एडवांस्ड अंडरग्राउंड माइनिंग कोर्स किया। उन्होंने फिलीपीन की राजधानी मनीला स्थित एशिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट से वर्ष 2009 में तथा कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी यूके से वर्ष 2001 एडवांस्ड मैनेजमेंट में ट्रेनिंग ली। कोयला उद्योग से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर उनके कई लेख भी प्रकाशित हो चुके हैं।

जनसंपर्क अधिकारी